

✓
न्यायालय तहसीलदार/नायब तहसीलदार, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)

मुकदमा नं.42.../ 2017 अंतर्गत धारा 91 एल.आर. एक्ट 1956

उनवान :- राज्य सरकार बनाम विन्दूराम

निर्णय

दिनांक :- 8.2.18

आज पत्रावली पेश हुई। गैर सायल अनुपस्थित। पत्रावली का अवलोकन किया गया। संक्षेप में विवरण प्रकार है कि पटवारी हल्का विष्णुवास रामसय अन्तर्गत धारा 91 एल.आर.एक्ट 1956 के तहत इस आशय की रिपोर्ट पेश कि गैर सायल विन्दूराम पुत्र/पत्नी श्री आशूराम जाति जाट निवासी आशूराम द्वारा ग्राम अमृतवासी के आराजी ख.नं. 25 तादादी 5.21 हैक्टेयर किस्म भूमि जोड़ पापतन भूमि में से 50 वर्गमीटर हैक्टेयर/वर्गमीटर भूमि पर सम्बत् 2074 में नाजायज आडा बनाका अवैध रूप से अतिक्रमण किया है, अतः इनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही का अनुरोध किया है।

प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर गैर सायल को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा नोटिस जारी कर तलब किया गया। गैर सायल को जारी नोटिस विधिवत् तामिल कराया गया। गैर सायल बावजूद नोटिस तामिल के असालतन व वकालतन उपस्थित नहीं होने के कारण इनके विरुद्ध दिनांक 2.2.18 को ईव कार्यवाही अमल में लायी गयी।

उक्त अतिक्रमित भूमि के संबंध में स्वामित्व बाबत कोई दस्तावेज/ सबूत गैर सायल द्वारा प्रस्तुत नहीं गया है। जिससे उक्त भूमि पर इनका स्वामित्व साबित होता हो, जबकि पटवारी हल्का की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि गैर सायल द्वारा उक्त भूमि पर आडा बनाका अतिक्रमण किया है। गैर सायल द्वारा भूमि स्व संबंधित कोई संतोषजनक जवाब/सबूत प्रस्तुत न करने एवं पटवारी हल्का की रिपोर्ट में गैर सायल विन्दूराम का उक्त ख.नं. 25 तादादी 5.21 हैक्टेयर जोड़ पापतन भूमि में से 50 हैक्ट./वर्ग भूमि पर अतिक्रमण होना साबित होता है। गैर सायल विन्दूराम अतिक्रमी की श्रेणी में आता है।

अतः गैर सायल विन्दूराम पुत्र/पत्नी श्री आशूराम जाति जाट निवासी अमृतवासी द्वारा ग्राम अमृतवासी आराजी ख.नं. 25 तादादी 5.21 हैक्टेयर गै.मु. जोड़ पापतन भूमि में से 50 वर्ग हैक्टेयर/वर्गमीटर भूमि का सम्बत् 2074 का अतिक्रमी घोषित किया जाकर बेदखली का आदेश पारित किया तथा लगान 0.05 रूपये का 50 गुणा से 3.00 रूपये शास्ती आरोपित की जाती है।

त.रा.ले. को मांग कायमी, पटवारी हल्का को शास्ती राशि वसूली एवं हल्का भू.अ.नि.को अतिक्रमी को भू.अ.नि. रूप से बेदखल करने एवं कब्जा बहक सरकार लेने हेतु लिखा जावे।

निर्णय आज दिनांक 8.2.18 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो। पत्रावली बाद तकमील पूर्ति दाखिल दफ्तर हो।